महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

(भा.कृ.अनु.प. - कृषि तकनीकीअनुप्रयोगअनुसंधान संस्थान कानपुर)

चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर (उ०प्र०)-273165

अंक – 01 | समाचार – पत्रिका | जनवरी, 2022

सम्पादक मंडल

मुख्य संपादक

डा0 विवेक प्रताप सिंह
(वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष)

संपादक

डा0 अजीत कुमार श्रीवास्तव
(वि.व. वि. – उद्यान)

डा0 राहुल कुमार सिंह
(वि.व. वि. – कृषि प्रसार)

डा0 संदीप प्रकाश उपाध्याय
(वि.व. वि. – मृदा विज्ञान)

श्री अवनीश कुमार सिंह
(वि.व. वि. – सस्य विज्ञान)

श्रीमती श्वेता सिंह
(वि.व. वि. – गृह विज्ञान)

संकलन एवं सहयोग

श्री गौरव कुमार सिंह
(कार्यक्रम सहायक - कम्प्यूटर)

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र,चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर (उ०प्र०) द्वारा प्रकाशित

Email – gorakhpurkvk2@gmail.com
Website – http://www.mgkvk.in/

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र
एक नजर में

कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना कृषि एवं संबंधित विषयों की नवीनतम तकनीकों के स्थानांतरण एवं प्रसार द्वारा जनपद के सर्वांगीण विकास हेतु गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान के नियंत्रण में गोरक्षपीठाधीश्वर पूजनीय महंत श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा की गई। इस केन्द्र का शिलान्यास 23 अक्टूबर 2016 एवं उद्घाटन 2 मार्च 2019 को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह जी के द्वारा किया गया। यह केंद्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर द्वारा वित्तपोषित है। यह केन्द्र गोरखनाथ की पवित्र धरती पर स्थापित होने की वजह से इस केंद्र का पूरा नाम महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र रखा गया। यह केन्द्र गोरखपुर जनपद से 35 किलोमीटर दूरी पर गोरखपुर – सोनौली मार्ग पर पीपीगंज रेलवे स्टेशन से 8 किलोमीटर दूरी पर (अक्षांश 26.929971, देशांतर 83.240244) पीपीगंज – बढ़या चौक मार्ग पर स्थित है। कृषि विज्ञान केन्द्र के पास 20.56 हेक्टेअर का प्रक्षेत्र है जिस पर प्रमुख रुप से गेहूँ, धान, सरसो, चना, तिल, गन्ना, अरहर इत्यादि फसलों का बीज उत्पादन किया जाता हैं।

प्रो. उदय प्रताप सिंह
उपाध्यक्ष, प्रबन्ध समिति
गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान
गोरखनाथ, गोरखपुर

संदेश

वर्तमान समय में कृषि उत्पादन लागत को कम करने एवं गुणवत्तायुक्त अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु यह आवश्यक है कि कृषकों तक नवीनतम कृषि अनुसंधान एवं कृषि तकनीकियों को पहुँचाया जाए। महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर इन नवीनतम तकनीकियों को निरंतर कृषकों तक पहुँचाने में तत्पर हैं जिससे कृषकों का आर्थिक एवं सामाजिक स्तर सुधारा जा सके।

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रकाशित मासिक न्यूज लैटर का यह अंक केन्द्र द्वारा किए गए एवं किए जाने वाले कार्यों के साथ-साथ नवीनतम कृषि तकनीकियों का प्रसार गांव-गांव एवं घर-घर पहुँचेगा, जो सभी वर्ग के किसानों के लिए लाभप्रद होगा।

(उदय प्रताप सिंह)

महाययोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर द्वारा जनवरी, 2022 में किये गये कार्य

1. प्रशिक्षण कार्यक्रम

फसल/उद्यम का शीर्षक	प्रशिक्षण की सं.	लाभार्थी संख्या
क) कृषक एवं महिला कृषकों हेतु प्रशिक्षण	04	100

2. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

फसल/उद्यम का शीर्षक	क्षेत्रफल हे०/ सं०	लाभार्थी संख्या
क) सरसो में सल्फर पोषक तत्व प्रबन्धन	02	14
ख) चने में जैव उर्वरक प्रबंधन का प्रदर्शन	2.5	10
ग) गेंदा की उन्नतशील प्रजाति पूसा नारंगी का परीक्षण प्रदर्शन	0.25	10
घ) मधुमक्खी पालन का संवर्धन	01	40
ङ) प्याज की उन्नतशील प्रजाति अग्रिफौंद लाइट रेड का परिक्षण प्रदर्शन	0.25	10

3. प्रक्षेत्र परीक्षण

शीर्षक	लाभार्थी संख्या
क) स्कूल जाने वाले बच्चों के स्वास्थ्य सुधार के लिए पोषक लड्डू का मूल्यांकन	10
ख) सब्जी मटर की उन्नतशील प्रजाति काशी मुक्ति का परीक्षण	05
ग) चने की फसल में आई.पी.एम. द्वारा फली बेधक कीट का प्रबंधन पर परीक्षण	05

4. प्रसार गतिविधियां

शीर्षक गतिविधियां	संख्या	लाभार्थी
क) वैज्ञानिकों का कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण	08	12
ख) कृषकों का कृषि विज्ञान केन्द्र पर भ्रमण	20	28
ग) मोबाइल सलाह	27	सामूहिक
घ) समाचार पत्र प्रकाशन	21	सामूहिक

प्रक्षेत्र परीक्षण

❖ दिनांक 27/01/2022 को प्रक्षेत्र परीक्षण " स्कूल जाने वाले बच्चो के स्वास्थ्य संवर्धन हेतु पोषक लड्डू का मूल्यांकन " के अंतर्गत चौकमाफी गाँव में गृह वैज्ञानिक डॉ. श्वेता सिंह द्वारा पोषक लड्डू का वितरण चयनित प्रायोगिक समूह के लाभार्थियों को किया गया।

प्रक्षेत्र भ्रमण

❖ दिनांक 03/01/2022 को अगिम पंक्ति प्रदर्शन "पोषक वाटिका" के अंतर्गत चौकमाफी गाँव में गृह वैज्ञानिक डॉ. श्वेता सिंह द्वारा भ्रमण किया गया । कृषक के घर पर लगवाये गए पोषण वाटिका का निरिक्षण किया गया। सभी के यहाँ पोषण वाटिका में लगे सब्जियों एवम फलो के पौधों कि बढवार ठीक है और टमाटर, मटर, गोभी कि दो बार तुड़ाई भी हो चुकी है। सब्जियों में कीटो का प्रभाव दिखाई दे रहा था जिसके लिए जैविक कीट नाशक बनाने व छिडकाव करने कि जानकारी दी गयी।

❖ दिनांक 13/01/2022 को गृह वैज्ञानिक डॉ. श्वेता सिंह द्वारा पीपीगंज के पचगावा गाँव में भ्रमण किया गया. जिसमे महिलाओं से मिलकर उनको स्वास्थ्य संबधी जानकारी दी गयी। उनके घर पर लगाये गए पोषण वाटिका का निरिक्षण किया गया। घरेलु अपशिष्ट से जैविक खाद बनाने कि विधि बताया गया एवं जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

❖ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय, मृदा विशेषज्ञ द्वारा दिनांक-15/01/2022 को ग्राम जंगल बिहुली, ब्लाक भरोहिया, गोरखपुर में केन्द्र से प्रशिक्षित मशरूम उत्पादक किसान श्री सुभाष के मशरूम इकाई पर भ्रमण किया तथा मशरूम की देखरेख, तुड़ाई का सही समय, बिक्री सम्बन्धित तथा आने वाले समय में सुव्यवस्थित तरीके से अधिक उत्पादन प्राप्त करने की आवश्यक जानकारी दी गयी।

❖ दिनांक 18/01/2022 को अगिम पंक्ति प्रदर्शन "पोषक वाटिका" के अंतर्गत पीपीगंज के राखुखोर गाँव में गृह वैज्ञानिक डॉ. श्वेता सिंह द्वारा भ्रमण किया गया एवं पोषण वाटिका का निरिक्षण किया गया । सभी के यहाँ पोषण वाटिका में लगे सब्जियों एवम फलो के पौधों कि बढ़वार ठीक है । ठण्ड के कारण पौधों मे फल आने व उनकी बढ़ोत्तरी प्रभावित है।

❖ डॉ. राहुल कुमार सिंह, प्रसार विशेषज्ञ द्वारा दिनांक- 19/01/2022 को ग्राम मीरपुर, ब्लाक जंगल कौड़िया में आई. ए. आर. आई.- कैटेट योजनान्तर्गत गेहूं की प्रजाति HD- 2967 पर चल रहे अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम के प्रक्षेत्रो का भ्रमण किया गया।

❖ दिनांक- 31/01/2022 को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन- ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जिला महाराजगंज के 4 स्वयं सहायता समूह की 40 महिला कृषक को केन्द्र के विशेषज्ञों द्वारा कृषि एवं पशुपालन से उद्यमिता विकास पर महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया तथा केन्द्र के प्रक्षेत्र पर उनको भ्रमण कराकर उनका ज्ञानवर्धन कराया गया।

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

❖ केंद्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव, द्वारा दिनांक- 19/01/2022 को किसानो को "आय सवर्धन हेतु प्रो ट्रे एवं प्रो बैग द्वारा पौध उत्पादन" विषय पर जानकारी महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञानं केंद्र, चौकमाफी के विशेषज्ञ द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में दी गयी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ संदीप प्रकाश उपाध्याय ने मशरुम उत्पादन पर भी आवशयक जानकारी दी।

किसान मेला एवं गोष्ठी

❖ दिनांक- 03/01/2022 को उद्यान विभाग द्वारा आयोजित "प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना" पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव, विशेषज्ञ उद्यान महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र, चौकमाफी द्वारा किसानो को शहद उत्पादन, आचार, चटनी एवं मशरुम उत्पादन सम्बन्धी आवशयक जानकारी दी।

फरवरी माह के मुख्य खेती-बाड़ी के कार्य

फसलोत्पादन एवं प्रबंधन

- गेहू की सिंचित अवस्था वाली किस्मों के लिए 120 किलो नत्रजन, 60 किलो सुपर फास्फेट तथा 40 किलो पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें। नत्रजन की आधी तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा बोआई के समय प्रयोग करें। नत्रजन की शेष आधी मात्रा, दो बार में, पहली एवं दूसरी सिंचाई के बाद डालें।
- गेहूं की असिंचित अवस्था में गेहूँ की खेती के लिए 80 किलो नत्रजन, 40 किलो सुपर फास्फेट तथा 20 किलो पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें। बुआई के समय, 40 किलो नत्रजन तथा स्फुरद एवं पोटाश की पूरी मात्रा डालें नत्रजन की शेष मात्रा प्रथम एवं द्वितीय सिंचाई पर दें।
- चने में खरपतवारो द्वारा फसल में होने वाले नुकसान से बचने के लिए बुवाई से 25-30 दिनों बाद पहली निकाई-गुड़ाई तथा 60-70 दिन बाद दूसरी निकाई-गुड़ाई करनी चाहिए।

मृदा विज्ञान

- गेहूँ की बुवाई के 60 दिन पश्चात कुल संस्तुत यूरिया की 25% मात्रा (53 किग्रा./हे. - सामान्य मृदा के लिए) का उपयोग पानी चलाने के उपरान्त जब खेत में चलने की दशा हो तब दें।
- आम, आंवला, कटहल, लीची, अमरुद, आड़ू तथा नींबू प्रजाति के फल के पोधो में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस एवं पोटाश की आधी मात्रा फरवरी माह में देनी चाहिए।
- भूमि में पोषक तत्वों की कमी जानने के लिए मृदा परीक्षण करवा लें तथा भूमि में उर्वरको का प्रयोग मृदा परिक्षण के आधार पर करें।

मौनपालन

- सरसों में फूल खिलने के दशा में प्रक्षेत्र का चयन कर, मौनवंशों का समय से माईग्रेशन करें।
- मौनगृह के तलपट पर सम्बंधित उपकरणों को पोटैशियम परमैगनेट/ लाल दवा से एक बार धुलाई करें।
- माइट के प्रकोप से बचने के लिए मौनगृह के तलपट की समय-समय पर सफाई करते रहें।
- अत्यधिक पुराने एवं काले पड़ चुके छत्तों को नष्ट कर दें तथा उनकी प्रतिपूर्ति मोमी छात्ताधर लगाकर नए छत्तों का निर्माण कराकर कर लिया जाए ताकि मौनवंशों की गुणवत्ता प्रभावित न हो।
- गतवर्ष की अधिक शहद उत्पादन करने वाले सशक्त मौनवंशों को मात्र मौनवंश की श्रेणी में रखते हुए इनसे मौनवंशों का संवर्धन सुनिश्चित किया जाए।
- मौनगृह से बी पोलेन इकठ्ठा करने का उपयुक्त समय है, बी पोलेन ट्रैप का प्रयोग एक दिन के अंतराल पर करें।
- मौनवंश का लगातार निरीक्षण कर समय से विभाजन सुनिश्चित करें।
- मौनगृह को जुट के बोरे अथवा मोटे कपडे से ढकें।
- अजवाईन की 5 से 10 ग्राम मात्रा को सूती कपडे में बांधकर प्रति मौनगृह में प्रयोग करें।

पशुपालन

- पशुओं को ठंड से बचाने का उचित प्रबन्ध एवं पीने के लिए स्वच्छ जल का व्यवस्था करें ।
- दुधारू पशुओं में थैनेला रोग से बचाव के उपाय करें एवं साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें।
- जिन पशुओ को मुँहपका तथा खुरपका का टीका नही लगा है उन्हें टीका अवश्य लगवायें।

- ❖ पशुओं को अन्त:परजीवी नाशक दवाई पशु – चिकित्सक की सलाह अनुसार नियमित दें।
- ❖ पशुओं को संतुलित आहार दें।
- ❖ पशुओ के आहार में खनिज मिश्रण एवं नमक का प्रयोग करें।

सब्जियों की खेती

- ❖ आलू एवं टमाटर की फसल को झुलसा रोग से बचाने के लिए मैंकोजेब 1.0 किग्रा. 75 प्रतिशत प्रति हेक्टेअर 500 लीटर पानी में घोल कर छिडकाव करें।
- ❖ प्याज में प्रति हेक्टेअर नाइट्रोजन की सम्पूर्ण मात्रा 100 किग्रा. मात्रा का 1/3 भाग (72 किग्रा. यूरिया) रोपाई के 30 दिन बाद सिचाई कर टाप ड्रेसिंग करें ।
- ❖ ग्रीष्म कालीन सब्जियों जैसे भिन्डी, लौकी, खीरा, खरबूजा, तरबूज, नेनुआ, आदि की बुवाई की तैयारी कर ले।
- ❖ ग्रीष्म कालीन सब्जियों के बीज की बुवाई पोलिथीन के बैग एवं प्रो ट्रे में करें ।
- ❖ लहसुन की फसल में नाइट्रोजन की दूसरी टॉप ड्रेसिंग न की हो तो करें।

फलों की खेती

- ❖ आम में भुंनगा कीट से बचाव हेतु मोनोक्रोटोफास 1.5 मिलीलीटर या इमिडाक्लोर्प्रिड 1.0 मिली. प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करे।

पुष्प व सगंध पौध

- ❖ गुलदाउदी के सकर्स को अलग करके गमलों में लगा दें।
- ❖ गर्मी वाले मौसमी फूलो जैसे पोर्चुलाका, जीनिया, सुन्फ्लोवर, कोचिया, नारंगी, गोमफ्रिना आदि के बी जो को एक मीटर चोडी तथा आवशयकातानुसार लम्बाई की क्यारिया बनाकर बीज की बोयाई कर दे।

संपर्क सूत्र			
नाम	**पद**	**विषय**	**मो.नं.**
डा0 विवेक प्रताप सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	पशुपालन	**07651922058**
डा0 अजीत कुमार श्रीवास्तव	विषय वस्तु विशेषज्ञ	उद्यान	**08787264166**
डा0 राहुल कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	कृषि प्रसार	**07007275688**
डा0 संदीप प्रकाश उपाध्याय	विषय वस्तु विशेषज्ञ	मृदा विज्ञान	**09621437547**
श्री अवनीश कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	सस्य विज्ञान	**09792099943**
श्रीमती श्वेता सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	गृह विज्ञान	**09453158193**